



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 02 अप्रैल, 2026

जारी करने का समय: 1330 घंटे

- विषय: (i) दो सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है, जिनकी चरम तीव्रता 3, 4 और 7 अप्रैल को रहेगी। 3 और 4 अप्रैल को इस क्षेत्र में ओलावृष्टि की संभावना है। कश्मीर घाटी में भी 3 और 4 अप्रैल को छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- (ii) देश के मध्य भागों में 6 अप्रैल तक गरज और बिजली के साथ बारिश होने की संभावना है, साथ ही 4 अप्रैल, 2026 तक छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- (iii) उत्तर-पश्चिम भारत में इस सप्ताह दिन का तापमान सामान्य के आसपास या सामान्य से कम रहने की संभावना है।

आज, 02 अप्रैल, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा पूर्वी मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र और दक्षिण मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ मध्य प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर 50-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन का अधिकतम तापमान (36°C-41°C) के बीच रहा: मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, मराठवाड़ा, विदर्भ, तेलंगाना, रायलसीमा के अधिकांश स्थानों पर; ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, केरल, दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई स्थानों पर; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, झारखंड, पूर्वी राजस्थान के कुछ स्थानों पर; और राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, बिहार, दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के कई स्थानों पर (32°C-36°C) के बीच तथा भारत के शेष भागों में 32°C से नीचे रहा। **सबसे अधिक अधिकतम तापमान 40.6°C अमरावती (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।**
- ❖ असम और मेघालय के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, केरल और माहे, कोंकण और गोवा, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, सौराष्ट्र और कच्छ के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) रहा; अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा; असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, मध्य महाराष्ट्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी कम रहा। गुजरात क्षेत्र, तेलंगाना में कुछ स्थानों पर; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, बिहार, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी

राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, उत्तराखंड, पश्चिम मध्य प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से नीचे (-3.0°C से -1.6°C) रहा।

- ❖ हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, सिक्किम, असम और मेघालय में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 12-18°C के बीच रहा। देश के मैदानी इलाकों के शेष भागों में यह 18-25°C के बीच था। **आज भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.0°C बरेली वेधशाला (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।**
- ❖ न्यूनतम/रात्रि का तापमान हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश में सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और मेघालय तथा छत्तीसगढ़ में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। मराठावाड़ा, विदर्भ, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से नीचे (-3.0°C से -1.6°C) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ पूर्वी ईरान और उससे सटे अफगानिस्तान के ऊपर, निचले और ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी राजस्थान के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर स्थित है।
- ❖ एक गर्त पूर्वी राजस्थान से लेकर पूर्वी मध्य अरब सागर तक गुजरात राज्य से होकर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर फैला हुआ है।
- ❖ एक गर्त पूर्वी झारखंड से लेकर दक्षिणी छत्तीसगढ़ तक निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर फैला हुआ है।
- ❖ एक गर्त आंतरिक तमिलनाडु से लेकर मध्य कोंकण तक आंतरिक कर्नाटक से होकर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर फैला हुआ है।
- ❖ एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण मध्य असम के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर स्थित है।
- ❖ 7 अप्रैल, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 3 से 6 अप्रैल के दौरान उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है; 2 अप्रैल को पूर्वी राजस्थान में, 2 से 4 और 6 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान में, और 3 अप्रैल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छिटपुट से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) की संभावना है।
- 7 और 8 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट से मध्यम बारिश/बर्फबारी, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) की संभावना है। 7 और 8 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में छिटपुट से मध्यम बारिश, छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।
- 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पूर्वी राजस्थान में; 3 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान में; 4 अप्रैल को उत्तराखंड में; और 4 और 5 अप्रैल को उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर में 3, 4 और 7 अप्रैल को, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 3 और 4 अप्रैल को, उत्तराखंड में 4 अप्रैल को, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 4 और 5 अप्रैल को, राजस्थान में 3 और 4 अप्रैल को और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 5 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फरबाद में 3 और 4 अप्रैल को छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अरुणाचल प्रदेश में 2 अप्रैल को, असम और मेघालय में 2 से 6 अप्रैल के दौरान, और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 2 से 4 अप्रैल के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 4 और 5 अप्रैल को बिजली गिरने की भी संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश में 2 अप्रैल को और 6 से 8 अप्रैल के दौरान, तथा असम और मेघालय में 2, 5 और 6 अप्रैल को छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 2 अप्रैल को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 5 से 7 अप्रैल के दौरान पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 4 अप्रैल को झारखंड में और अगले 5 दिनों के दौरान ओडिशा में छिटपुट से मध्यम हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा, झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक) की संभावना है।
- 5 से 8 अप्रैल के दौरान बिहार में और 5 और 6 अप्रैल को झारखंड में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक) की संभावना है।

मध्य भारत:

- अगले 5 दिनों के दौरान मध्य भारत में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) की संभावना है।
- 3 और 4 अप्रैल को पश्चिमी मध्य प्रदेश में आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- 2 से 4 अप्रैल के दौरान मध्य प्रदेश और 4 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- मध्य महाराष्ट्र में 4 अप्रैल को, मराठवाड़ा में 4 और 5 अप्रैल को, और गुजरात राज्य में 2 और 3 अप्रैल को छिटपुट से मध्यम हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक के झोंके) चलने की संभावना है। तटीय महाराष्ट्र में 2 अप्रैल को बिजली गिरने की भी संभावना है।
- मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 2 और 3 अप्रैल को गरज के साथ तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके) और छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- केरल और माहे में 2 से 5 अप्रैल के दौरान, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटक में 2 से 6 अप्रैल के दौरान, रायलसीमा में 5 और 6 अप्रैल के दौरान, गरज, बिजली और तेज हवाओं (गति 30-50 किमी प्रति घंटा और झोंके 60 किमी प्रति घंटा तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। तटीय कर्नाटक में 2 से 4 अप्रैल के दौरान और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 3 से 6 अप्रैल के दौरान बिजली गिरने की भी संभावना है।

गर्म और आर्द्र मौसम की चेतावनी:

- केरल और माहे के कुछ इलाकों में 2 अप्रैल को तथा गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और ओडिशा में 2 से 4 अप्रैल के दौरान गर्म और आर्द्र मौसम रहने की प्रबल संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- उत्तर-पश्चिम भारत में 2 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है, और फिर 3 और 4 अप्रैल को 3-5°C स की क्रमिक गिरावट आएगी, जिसके बाद 5 से 8 अप्रैल के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा। हालांकि, 6 अप्रैल, 2026 तक तापमान सामान्य से नीचे रहेगा।
- मध्य भारत में 4 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है और 5 से 8 अप्रैल के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- पूर्वी भारत में 5 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 6 से 8 अप्रैल के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- उत्तर-पूर्वी भारत में 2 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 3 से 8 अप्रैल के दौरान अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- महाराष्ट्र में 5 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है; 6 से 8 अप्रैल के दौरान इसमें 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होगी।
- गुजरात राज्य में 2 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और 3 से 8 अप्रैल के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

मछुआरों को चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 2 अप्रैल से 7 अप्रैल, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- बंगाल की खाड़ी: कोई चेतावनी नहीं।
- अरब सागर: 2 अप्रैल को उत्तरी अरब सागर के मध्य भागों में; 3 अप्रैल को उत्तरपूर्वी अरब सागर के कुछ भागों में, उत्तरी गुजरात तट के उत्तरी भागों के आसपास और उससे दूर क्षेत्रों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 02 अप्रैल से 05 अप्रैल 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

- अरुणाचल प्रदेश: ईटानगर 10
- असम: धुबरी 9
- पूर्वी मध्य प्रदेश: पाटुर्णा (जिला छिंदवाड़ा) 8
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: जिती टी.ई. 7

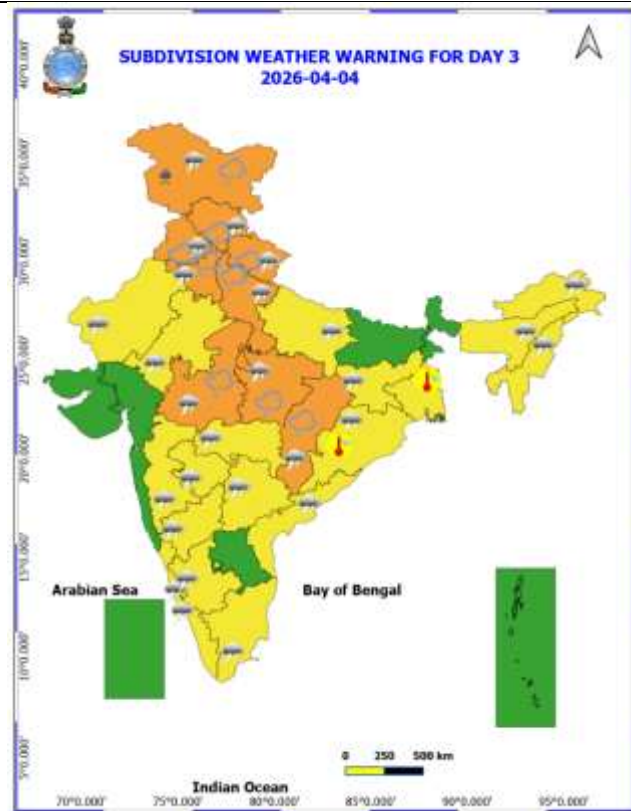
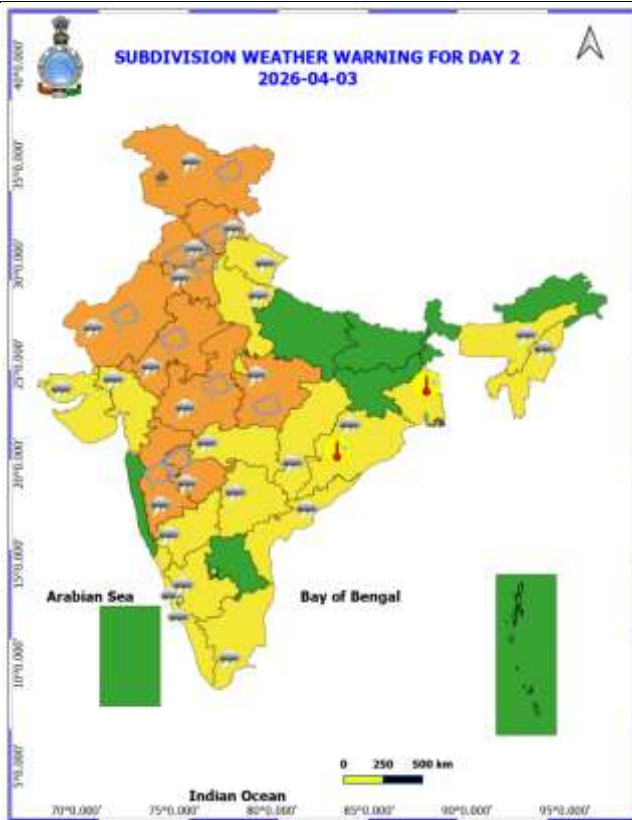
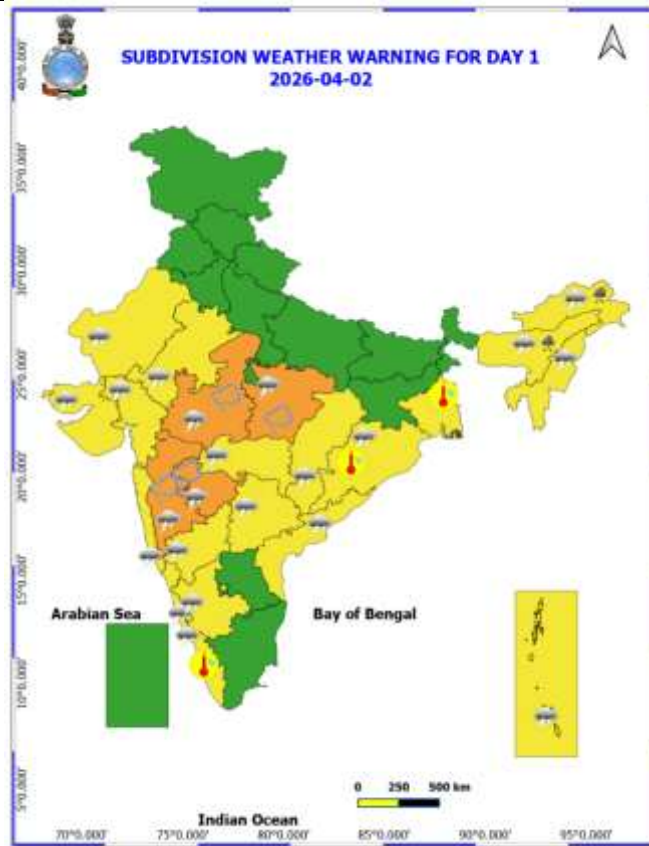
पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक) तेज हवाएं चल रही हैं (अधिकतम गति किमी प्रति घंटा में):

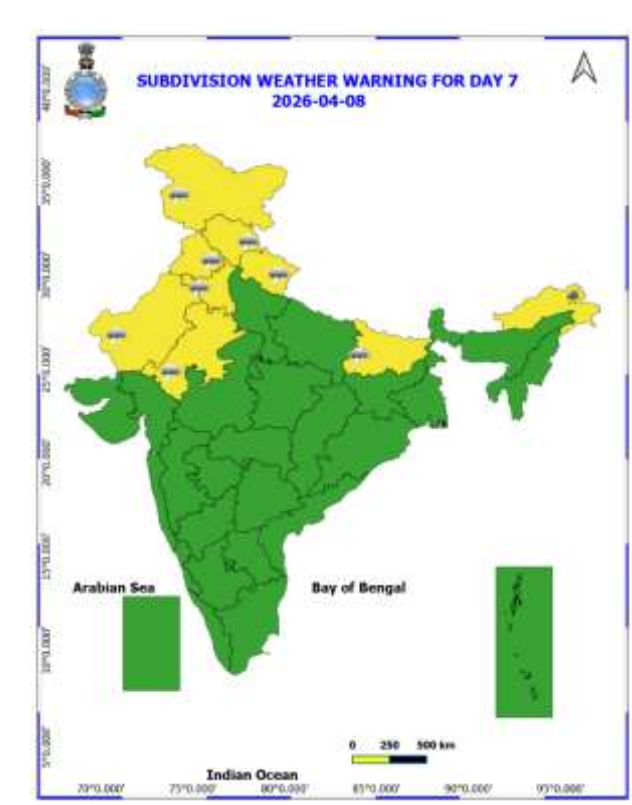
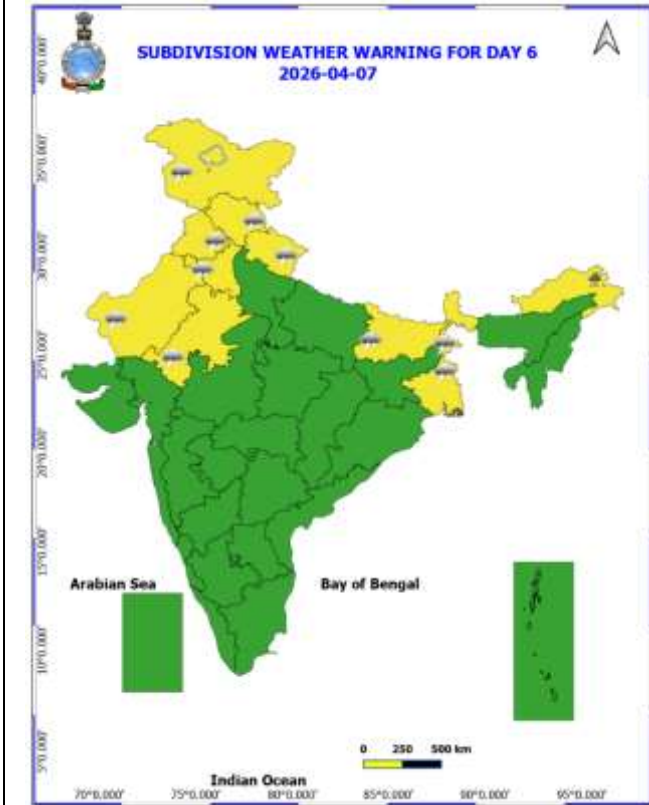
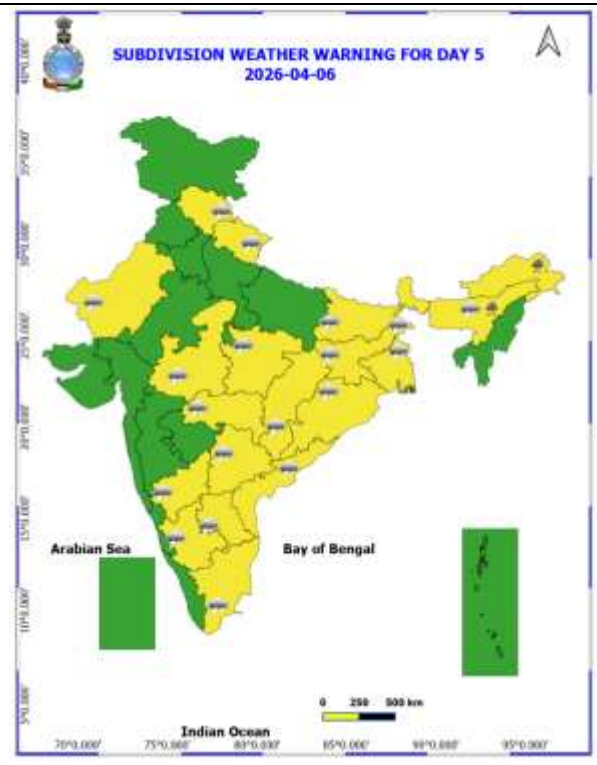
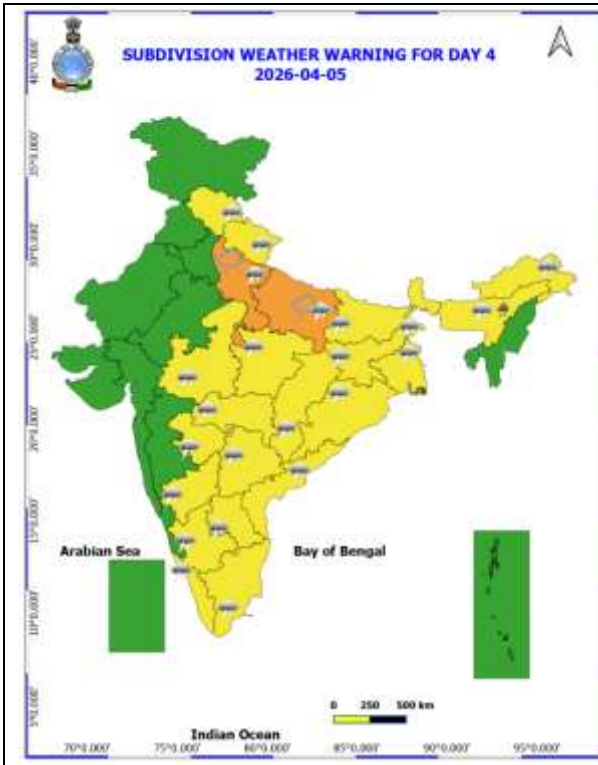
- पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 44
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: इंदौर 37

अनुलग्नक I

| Table-1 | | | | | | | | |
|--------------------------|----------------------------------------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|
| 7 Days Rainfall Forecast | | | | | | | | |
| S.No. | Subdivision | 2- Apr | 3- Apr | 4- Apr | 5- Apr | 6- Apr | 7- Apr | 8- Apr |
| | | Day 1 | Day 2 | Day 3 | Day 4 | Day 5 | Day 6 | Day 7 |
| 1 | ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS | ISOL | ISOL | DRY | DRY | ISOL | ISOL | ISOL |
| 2 | ARUNACHAL PRADESH | FWS | SCT | FWS | FWS | ISOL | ISOL | ISOL |
| 3 | ASSAM & MEHGHALAYA | SCT | ISOL | ISOL | SCT | SCT | SCT | FWS |
| 4 | NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | SCT | SCT | SCT |
| 5 | SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM | ISOL | ISOL | ISOL | DRY | DRY | ISOL | ISOL |
| 6 | GANGETIC WEST BENGAL | DRY | DRY | ISOL | SCT | SCT | SCT | SCT |
| 7 | ODISHA | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 8 | JHARKHAND | DRY | DRY | ISOL | SCT | SCT | SCT | ISOL |
| 9 | BIHAR | DRY | DRY | DRY | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 10 | EAST UTTAR PRADESH | DRY | DRY | ISOL | SCT | ISOL | DRY | ISOL |
| 11 | WEST UTTAR PRADESH | DRY | ISOL | SCT | SCT | DRY | ISOL | SCT |
| 12 | UTTARAKHAND | ISOL | SCT | SCT | SCT | SCT | ISOL | SCT |
| 13 | HARYANA, CHANDIGARH & DELHI | DRY | SCT | SCT | ISOL | ISOL | ISOL | SCT |
| 14 | PUNJAB | DRY | SCT | SCT | ISOL | ISOL | SCT | SCT |
| 15 | HIMACHAL PRADESH | ISOL | FWS | FWS | SCT | SCT | SCT | FWS |
| 16 | JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | FWS | SCT |
| 17 | WEST RAJASTHAN | ISOL | SCT | ISOL | DRY | ISOL | ISOL | ISOL |
| 18 | EAST RAJASTHAN | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 19 | WEST MADHYA PRADESH | ISOL | SCT | SCT | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 20 | EAST MADHYA PRADESH | ISOL | ISOL | SCT | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 21 | GUJRAT REGION | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 22 | SAURASHTRA & KUTCH | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 23 | KONKAN & GOA | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 24 | MADHYA MAHARASHTRA | SCT | ISOL | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY |
| 25 | MARATHWADA | SCT | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | DRY | DRY |
| 26 | VIDARBHA | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 27 | CHHATTISGARH | ISOL | ISOL | ISOL | SCT | SCT | ISOL | ISOL |
| 28 | COASTAL ANDHRA PRADESH | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | SCT | SCT |
| 29 | TELANGANA | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 30 | RAYALASEEMA | DRY | DRY | DRY | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 31 | TAMILNADU & PUDUCHERRY | ISOL | ISOL | ISOL | SCT | SCT | ISOL | SCT |
| 32 | COSTAL KARNATAKA | SCT | ISOL | ISOL | DRY | DRY | DRY | DRY |
| 33 | NORTH INTERIOR KARNATAKA | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL | ISOL |
| 34 | SOUTH INTERIOR KARNATAKA | ISOL | ISOL | SCT | SCT | ISOL | ISOL | ISOL |
| 35 | KERALA AND MAHE | ISOL | SCT | SCT | SCT | SCT | ISOL | ISOL |
| 36 | LAKSHADWEEP | SCT | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY | DRY |

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

02 अप्रैल से 05 अप्रैल 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 2-3°C तक की वृद्धि हुई है और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 32-33°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18-20°C की सीमा में रहे। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। अधिकतम तापमान कुछ अलग-अलग स्थानों पर सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 12 kmph तक रही। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने और सतह पर हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph तक रहने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

02.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम तापमान 35°C से 37°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6 से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति दोपहर के समय 12 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 08 kmph से भी कम हो जाएगी।

03.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर तक आम तौर पर बादलों से घिर जाएगा। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की बारिश/बूँदाबाँदी का एक दौर आ सकता है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और सतह पर 20-30 kmph की तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जिनकी गति 40 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6 से 3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5 से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर पश्चिम दिशा से 15 kmph से भी कम हो जाएगी।

04.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर तक आम तौर पर बादलों से घिर जाएगा। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की बारिश/बूँदाबाँदी के एक या दो दौर आ सकते हैं, जिनके साथ गरज/बिजली कड़कने और सतह पर 30-40 kmph की तेज़ हवाएँ चल सकती हैं, जिनकी गति 50 kmph तक पहुँच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30°C से 32°C और 19°C से 21°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6 से 3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के बाकी हिस्सों में यह सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph से भी कम हो जाएगी।

05.04.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जो दोपहर होते-होते आम तौर पर बादलों से घिरा हो जाएगा। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है, जिसके साथ गरज/बिजली कड़कने और सतह पर तेज़ हवाएँ (20-30 kmph, झोंकों में 40 kmph तक) चल सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 30°C से 32°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के बाकी हिस्सों में यह

सामान्य से कम (-1.6 से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से भी ज्यादा हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर उत्तर दिशा से 12 kmph से भी कम हो जाएगी।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने/तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली तथा पूर्वी राजस्थान में; 3 अप्रैल को पश्चिमी राजस्थान में; 4 अप्रैल को उत्तराखंड में; 4 और 5 अप्रैल को उत्तर प्रदेश में; 5 से 8 अप्रैल के दौरान बिहार में; 5 और 6 अप्रैल को झारखंड में; 3 और 4 अप्रैल को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 2 और 3 अप्रैल को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे तक के झोंके आने की संभावना है।
- जम्मू-कश्मीर में 3, 4 और 7 तारीख को, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 3 और 4 अप्रैल को, उत्तराखंड में 4 अप्रैल को, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 4 और 5 अप्रैल को, राजस्थान में 3 और 4 अप्रैल को और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 5 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; मध्य प्रदेश में 2 से 4 अप्रैल के दौरान और छत्तीसगढ़ में 4 अप्रैल को भी ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाएँ टूटना, सड़क किनारे लगे बड़े पेड़ उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ गिरना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- तेज हवा/ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में, 2 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश में और 6 से 8 अप्रैल के दौरान, तथा 2, 5 और 6 अप्रैल को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठावाड़ा, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में, फलों के बगीचों और सब्जियों के पौधों को क्षति से बचाने के लिए हेल नेट या हेल कैप का उपयोग करें।
- परिपक्व फसलों और फलों की कटाई तथा तुड़ाई अविलंब करें और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में पत्ता गोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई करें तथा आलू की खुदाई करें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- असम में खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें।
- मेघालय में गर्मी के मौसम में उगाई जाने वाली सब्जी-वर्गीय फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बागवानी फसलों को सहारा (स्टेकिंग और प्रॉपिंग) दें और नन्हे पौधों को भारी वर्षा से बचाएं। बगीचे की मटर की तोड़ी गई फलियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को ठीक से बांधकर ढक दें ताकि तेज हवाओं के कारण उनके खिसकने का खतरा कम हो सके।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- भारी वर्षा / ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

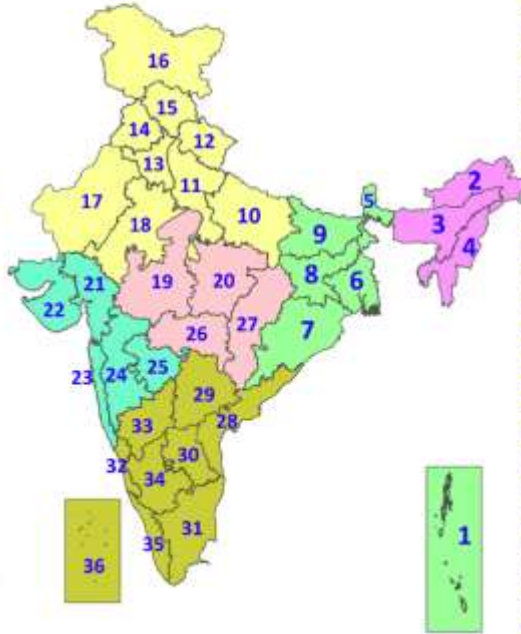
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

| % Stations | Category | % Stations | Category |
|------------|-------------------------------------|------------|------------------------------|
| 76-100 | Widespread (WS/Most Places) | 26-50 | Scattered (SCT/A Few Places) |
| 51-75 | Fairly Widespread (FWS/Many Places) | 1-25 | Isolated (ISOL) |

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

| Terms | Probability of Occurrence (%) |
|-------------|-------------------------------|
| Unlikely | < 25 |
| Likely | 25 - 50 |
| Very Likely | 50 - 75 |
| Most Likely | > 75 |

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)